जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल

स्रोत: पी.आई.बी

केंद्र सरकार ने ग्रामीण भारत में जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), 2005** के अंतर्गत **जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल** शुरू की है।

- **जल सुरक्षा पर राष्ट्रीय पहल:** इसका उद्देश्य **भूजल स्तर में गिरावट को कम करना** और दीर्घकालिक ग्रामीण जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके क्रियान्वयन हेतु, **MGNREGA अधिनियम, 2005 में संशोधन करके जल संरक्षण कार्यों को अनिवार्य बनाया गया** और इसके लिये निधि आवंटित की गई, जिससे इस पहल को सांविधिक समर्थन मिला।
  - **'अति जल संकट ग्रस्त' ब्लॉकों में, MGNREGA निधि** का 65% जल-संबंधी कार्यों के लिये उपयोग किया जाएगा।
  - **'अर्ध-गंभीर' ब्लॉकों में, MGNREGA निधि का 40%** जल संरक्षण पर व्यय किया जाएगा।
  - यहाँ तक कि जिन ब्लॉकों में जल की कमी नहीं है, **वहाँ भी कम से कम 30% निधि जल-संबंधी कार्यों पर व्यय की जाएगी।**
  - यह तदर्थ जल कार्यों से ध्यान हटाकर व्यवस्थित जल सुरक्षा नियोजन पर केंद्रित करता है तथा **'कैच द रेन' और 'अमृत सरोवर'** जैसे अभियानों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति **भारत की प्रतिबद्धता** को दर्शाता है।
- **जल संरक्षण में MGNREGA की उपलब्धियाँ:** MGNREGA **विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक कल्याण कार्यक्रम बन गया है,** जिसने कृषि तालाबों और चेकडैम जैसी **1.25 करोड़ से अधिक जल संरक्षण परिसंपत्तियों** का निर्माण किया है।
  - इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट कम हुआ है। **मिशन अमृत सरोवर** के तहत, पहले चरण में 68,000 से अधिक जलाशयों का निर्माण या पुनरुद्धार किया गया।

और पढ़ें: जल प्रबंधन: अभाव से स्थायित्व तक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-initiative-on-water-security